ग्राम पंचायतों में महिलाओं की भूमिका

सूत्र, जगजीतनगर से प्राप्त एक रपट

महिला सम्मेलन (3-5 अप्रैल) में कई बुनियादी मुद्दों पर चर्चा हुई। कुछ सवाल उठे और कुछ सुझाव दिए गए।

ग्राम पंचायतों में इस बार जो चुनाव हुए हैं उनमें महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित रखी गईं थीं। कुछ जगह 30 फी सदी, कुछ जगह उससे कम। महिलाएं कमज़ोर नहीं हैं। मगर आज के सामाजिक और राजनैतिक ढांचे के चलते उनकी स्थिति कमज़ोर पड़ती है। **अगर हम पूरी जनसंख्या की आधी हैं तो हमें 30 फी सदी सीटें क्यों?** अगर पंचायत में महिलाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व चाहिए तो महिलाओं को उनका प्रतिनिधि चुनने का अधिकार देना चाहिए।

हमारी इच्छा से सब हुआ हो या न हुआ हो, पंचायतों के चुनाव में हम महिलाएं आ चुकी हैं। अब हमें यह देखना है कि हम उससे कितना फायदा उठा सकती हैं। हमारी बहने पंचायतों और बी.डी.सी. में बैठ रही हैं उनका हम कैसे साथ दें, यह सोचना-समझना ज़रूरी है। कैसे हम इनके हाथ मज़बूत बनाएं? कैसे इनकी हिम्मत बढ़ाएं? कैसे ज्यादा से ज्यादा महिलाओं के हित में काम कर सकें?

जो महिलाएं पंचायत में आई हैं वह मोटे रूप से तीन अलग-अलग तरह की हैं—

जो महिलाएं मंडल से संबंधित हैं।

जो महिलाएं सिर्फ पुरुषों के द्वारा चुनी गई हैं और किसी महिला संगठन से जुड़ी नहीं हैं।

जो महिलाएं अपनी इच्छा से चुनावों में खड़ी हुईं और जीतीं।

इन सबको एक ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पुरुषों के इस झुंड में महिलाओं के हितों की रक्षा कैसे की जाए। इसके लिए प्रशिक्षण की ज़रूरत है। ताक़त बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण और महिला मंडलों से तालमेल बनाना दोनों ज़रूरी हैं।

हमें एक अच्छा मौका हाथ लगा है उसे गंवाना नहीं है। महिला मंडलों से जुड़ी महिलाओं की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह पंचायत की सदस्य महिलाओं से संपर्क करें, उन्हें सहारा दें और उनका सहारा लेकर महिलाओं के हित के लिए उनके काम में पूरी मदद करें।

जो महिलाएं चुन कर आईं हैं उन्हें यह समझना ज़रूरी है कि वे पुरुषों का प्रतिनिधित्व करने के लिए पंचायत की बैठकों में नहीं बैठ रहीं हैं। उनके कंधों पर अपनी पंचायत की सभी महिलाओं की जिम्मेदारी हैं। उन्हें अपनी ताक़त को पहचानना होगा। वे राजनैतिक मान्यता प्राप्त व्यक्ति हैं। वे जन-प्रतिनिधि हैं। जनता के हितों की रक्षा करना उनका पहला फ़र्ज है। महिला मंडलों को सिर्फ सामाजिक मान्यता मिली हुई है। इसलिए हम सबको उन पंचायतों में चुनी बहनों के साथ तालमेल बिठाना है।

□